अथमलगोला से बिहटा और राघोपुर से दिघवारा तक फैलेगा पटना

शहर के मास्टर प्लान का प्रारूप फाइनल

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

पटना महानगर के मास्टर प्लान के प्रारूप को अंतिम रूप दे दिया गया है। अब इसपर आम जनता की राय ली जाएगी। अगले माह इसके प्रारूप को आम लोगों के लिए जारी किया जाएगा। लंबी कसरत के बाद नगर विकास व आवास विभाग ने मास्टर प्लान को अंतिम रूप दे दिया है। नए मास्टर प्लान में वर्ष 2031 तक को ध्यान में रखा गया है।

महानगर का जो खाका बनाया गया है उसमें पटना महानगर अथमलगोला से बिहटा और दिघवारा से राघोपुर तक विस्तृत होगा। इसमें शहरी और ग्रामीण दोनों इलाके शामिल होंगे। पटना महानगर को विस्तार देकर नए सिरे से इसका स्वरूप निर्धारित किया गया है। तकरीबन आधा दर्जन बार इसके स्वरूप में बदलाव किया गया। अब इसे अंतिम रूप दिया गया है। मास्टर प्लान अमल में आया तो नया पटना पूरी तरह सुव्यस्थित होगा और यहां हर चीज निर्धारित और तय मापदंड के अनुरूप होगी। पूर्व का मास्टर प्लान वर्ष 2021 के आधार पर बनाया गया था।

सेन्टर फॉर इन्वायरमेंट प्लानिंग एंड टेक्नालाजी (सेप्ट) ने पटना के लिए जो मॉडल तैयार किया है उसमें कई खासियत है। महानगर के भौगोलिक विशेषताओं के साथ-साथ इसके आर्थिक विकास का भी ध्यान रखा गया है। लोगों को यह अहसास होगा कि वह सही मायने में महानगर का हिस्सा हैं।

अगले माह आम लोगों से राय लेने की तैयारी

कैसे होगा

क्षेत्र	एरिया (प्रतिशत में)
आवासीय	45.12
सड़क	16.17
ओपेन स्पेस	15.58
नागरिक सुविधाएं	12.63
औद्योगिक	05.29
कामर्शियल	05.21

क्या-क्या होगा

सड़क परिवहन, भवन निर्माण, सुव्यवस्थित कॉलोनी, पेयजल, सिवरेज सिस्टम, पार्क, खेल के मैदान, स्टेडियम, पार्किंग, बिजली आपूर्ति सिस्टम, स्ट्रीट लाइट, पर्यावरण, शैक्षणिक संस्थान, हास्पिटल, प्रभावी प्रबंधन, मेन्टेनेंस, निकट के एरिया से बेहतर कनेक्टिविटी

मास्टर प्लान को अंतिम रूप दिया जा रहा है। हम इसपर अगले माह आम लोगों की राय लेने की योजना बना रहे हैं।

-डॉ. एस. सिद्धार्थ, सचिव, नगर विकास विभाग